प्रस्तावना

पवित्तर बाइबिल क इ अनुवाद क खास तौर स साधारिन मनइयन, लरिकिन अउर ओन मनइयन बरे जउन अबहिं हाल मँ ही पढ़ब लिखब सुरू किहेन ह, तइयार कीन्ह ग बाटइ। इ बात क धियान मँ राखत भए अनुवाद करइवालन क इ कोसिस रही ह कि उ सहल सब्दन अउर नान्ह नान्ह वाक्यन क ही प्रयोग करइ।

इ अनुवादत क राह देखॉउब, उत्तिम अनुवाद उत्तिम सँचरइ क बिचार स भवा अहइ। अनुवाद करइया लोगन क इ खास धियान रहा ह कि उ पाठकन क समन्वा बाइबिल क लिखवइया लोगन क संदेसा उहइ सुभाव क तरीका उ अउर असलियत स समन्वा राखइ जइसा कि मूल भाखा मँ पुरान समइ क लोगन क अगवा पेस कीन्ह गवा ह। एक ठु बिस्सास क जोग्ग अनुवाद क अरथ सिरिफ मूल भाखा क सब्दन क सब्दकोस स मिलाउब हीं नाहीं मुला अइसी प्रक्रिया बाटइ कि जेकरे जरिये मूल संदेसा इ तरह हाजिर कीन्ह जात ह कि न सिरिफ ओकर अरथ ही पहोंच जाइ, बल्कि उ सुनइ मँ भी ओतना ही सही अउर उहइ तरह मन क हींचइवाला होइ अउर असर भी अइसा होइ जइसा हजारन बरिस पहिले अजमावा गवा रहा।

एह बरे इ सास्तर क अनुवाद मँ अनुवाद करइया लोगन क असरदार बात कहइ क महत्व रहा ह। मुला बात कहइ क इच्छा सुद्ध बिचार क महत्व क कमती नाहीं किहस। मुला “जियादा सुद्ध बिचार” क इ अरथ समुझा गवा ह कि बिचारन क बिस्सास करइ क तरीका स परगट कीन्ह जाइ, न कि ओकरी रूप स जुरी भइ खासियन क सच्चाई स मिलान कीन्ह जाइ।

धरम सास्तर क लेखक लोग खास तौर स नवा नेम क रचना करइवालन, भाखा अउर सैली क बइपरइ समइ उत्तिम संचार क खास धियान राखेन ह। इ अनुवाद क तइयार करइ मँ भी इ बात क धियान रखा ग अहइ अउर यह बरे अइसी भाखा क प्रयोग कीन्ह ग अहइ जेकरे जरिये अवधी भाखा क बोलवइयन क समन्वा सास्तरन क सच्चाई आपन क पूरी तरह परगट कइ सकइ।

इ अनुवाद मँ कइउ खासियत क प्रयोग भवा अहइ जेहसे समुझइ मँ अनुभव होइ। पोथी मँ कीन्ह गवा कठिन अउर अस्पस्ट सब्दन क फउरन पाछे अक्सर नान्ह नान्ह बियाख्या या बराबरी क अरथ देखइ क मिलत हीं। इ बियाख्या वाला सब्दन क कोस्ठक क संग तिर्यक अच्छरे मँ लिखा गवा अहइ। जउन सब्दन या मुहावरन मँ बिस्तार स स्पस्ट करइ क जरूरत होत ह, ओनका तारा क चीन्हा स प्रयोग कइके पन्ना क आखीर मँ लिखब क जरिये समुझावा गवा ह। ऐकर अलावा सास्तर क उदाहरणन क पहिचान अउर दूसर पाठ भी कबहुँ-कबहुँ लिखब क जरिये दीन्ह ग अहइँ।

भूमिका

"बाइबिल" सब्द ग्रीक भाखा स लीन्ह ग अहइ जेकर अरथ बाटइ "पोथिन"। असल मँ बाइबिल दुइ पोथिन क मेल अहइ जेनका 'पुरान नेम' अउर 'नवा नेम' कहा जात ह। अरथ कीन्ह ग सब्द "नेम" (व्यवस्था) अक्सर एक वाचा या समझौता क तरह बइपरा जात ह। इ सब्द परमेस्सर क, आपन मनवइयन बरे प्राण अउर आसीर्बाद क जानकार देत ह। पुरान नेम ओनँ रचना क मेल अहइ, अउर वाचा स सम्बंध रखत ह, जेका परमेस्सर, मूसा क समइ मँ यहूदियन (इस्राएलियन) क संग किहे रहेन। "नवा नेम" ओन रचना क भंडार बाटइ जेनकइ सम्बंध उ समझौता स अहइ, जउन परमेस्सर ओन मनइयन क संग किहेस जउन ईसू मसीह प बिस्सास धरती हीं।

पुरान नेम क लेख, परमेस्सर क ओन बड़कवा कारज क विवरण देत हीं जउन परमेस्सर क जरिये यहूदियन क संग भए बेउहार क बतावत हीं, अउर परमेस्सर क उ जोजना क बारे मँ बतावत हीं जेकरे जरिये इ मनइयन क समूचइ संसार मँ आसीर्बाद लइ आवइ बरे बइपरा गवा। इ सबइ लेख, अवइया उद्धारकर्त्ता (मसीहा) कइँती संकेत करत हीं जेका परमेस्सर आपन जोजना क मुताबिक पठवइवाला रहा।

नवा नेम क लेख, पुराना नेम क कथा क फल अहइँ। इ सबइ अवइया उद्धारकर्त्ता (ईसू मसीह) अउर समूचइ मनई क जाति बरे ओकरे आवई क बिसेस क फरियावत हीं। नवा नेम क किताबन क समुझइ बरे पुरान नेम क समुझब महत्व क बाटइ काहेकि पुरान नेम जरूरी पाछे क बात बतावत हीं अउर नवा नेम उद्धार क उ कथा क, पूरा करत ह जउन पुरान नेम मँ सुरू भइ रही।

पुरान नेम

पुरान नेम क लेख उन्चालीस किताबन क उ भंडार अहइ जेका अलग अलग लेखक लोग लिखेन ह। इ जियादा स इब्रानी भाखा मँ लिखा गवा अहइ, जउन पुराना इस्राएल क भाखा होत रही। कछू हींसा अरामी भाखा मँ भी लिखा गवा अहइँ जउन बेबिलोन राज्य क सरकारी भाखा रही। 'पुरान नेम' क कछू हींसा तीन हजार पाँच सौ बरिस पहिले लिखा ग रहेन अउर इ नेम क पहिली पोथी अउर आखिरी पोथी क बीच, करीब एक हजार बरिस स भी जियादा समइ क फरक बाटइ। इ भंडार मँ सरंजाम, इतिहास, गद्य, गीत, भजन अउर गियानी मनइयन क उपदेस मिला बाटेन।

"पुरान नेम" अक्सर तीन हींसा मँ बाँटा ग अहइ: व्यवस्था, नबियन अउर पवित्तर लेखन। व्यवस्था हींसा मँ पाँच ठु किताब अहइँ जउन "मूसा क पाँच किताब" कही जात हीं। एहमाँ पहिली किताब उत्पत्ति बा, जउन जगत क सुरूआत क बारे मँ बतावत ह, अरथात आदि मनई अउर स्त्री अउर परमेस्सर बरे ओनकइ पहिले अपराध क ब्योरा देत ह। इ किताब मँ महा जल प्रलय अउर ओहमाँ स परमेस्सर स उ परिवार क रच्छा कीन्ह जाइ अउर इस्राएल देस क सुरूआत, जउन मनइयन क परमेस्सर आदि समइ स एक खास उद्देस बरे चुने रहा, क बारे मँ विवरण देत ह।

इब्राहीम क कथा

परमेस्सर इब्राहीम क संग एक करार किहस। इब्राहीम एक बहोत भरोसा क मनई रहा। उ करार मँ परमेस्सर इब्राहीम क एक बहोत बड़का रास्ट्र क बाप बनावइ क अउर ओका अउर ओकरे बंसज क कनान देस क भुइँया देइ क बचन दिहस। इ देखॉवइ बरे कि इब्राहीम इ करार क अंगीकार कइ लिहेस, ओकर खतना किहस अउर फिन खतना परमेस्सर अउर ओकरे मनइयन क बीच भए इ करार क सबूत बन गवा। इब्राहीम क समुझ मँ इ नाहीं आवा कि ओन बतियन क परमेस्सर कइसे पूरा करी जेनके बरे उ बचन दिहस ह। मुला इब्राहीम क परमेस्सर प पूरा भरोसा अउर बिस्सास रहा, एहसे परमेस्सर बहोत जियादा खुस भवा।

परमेस्सर इब्राहीम क हुकुम दिहस कि उ मेसोपोटामिया इब्रनियन क बीच आपन घर तजि दे अउर परमेस्सर ओका कनान (जेका पलिस्तीन भी कहा जात ह), भुइँया कइँती लइ गवा जेका ओका देइ क बचन दीन्ह गवा रहा। बुढ़ापे मँ इब्राहीम क एक पूत पइदा भवा जेकर नाउँ इसहाक रहा। इसहाक क याकूब नाउँ क एक पूत पइदा भवा। याकूब (उ इस्राएल भी

भूमिका

कहा जात ह) क बारह बेटवा अउर एक बिटिया भइन। इ परिवार आगे चलिके इस्राएल रास्ट्र बना मुला आपन जनजाति मूल क कबहुँ नाहीं बिसराएस। उ आपन आपका आगे चलिके इस्राएल क बारहु कबीलन (या “परिवार समूह”) स जुर भवा बतावत रहा। इ सबइ कबीला याकूब क बारहु बेटवा क संतानन रहेन। इ सबइ बारहु बेटवा रहेन: रूबेन, समौन, लेवी, यहूदा, इस्साकार, जबूलून, यूसुफ, बिन्यामीन, दान, नप्ताली, गाद अउर आसेर। इब्राहीम, इसहाक अउर याकूब (इस्राएल) इस्राएल क “पुरखन” या “मुखियन” क रूप मँ जाना जात हीं।

इब्राहीम एक दूसर तरह क “बाप” भी रहा। पुराने इस्राएल मँ अक्सर परमेस्सर कछू बिसेख मनइयन क आपन संदेसवाहक बनावइ क चुने रहा। परमेस्सर क इ संदेसवाहक या नबियन, मनइयन बरे परमेस्सर क प्रतिनिधि रहेन। इ नबियन क जरिये परमेस्सर इस्राएल क मनइयन क बचन, चिताउनी, व्यवस्था, उपदेस अउर अनुभव क आधार प सिच्छा अउर होइवाली घटना प टिका भवा निर्देस दिहेस। पवित्तर सास्तरन मँ इब्राहीम “इब्रानी” क पहिला नबी क रूप मँ उल्लेख कीन्ह ग अहइ।

गुलामी स इस्राएल क छुटकारा

याकूब (इस्राएल) क परिवार बाढ़त गवा अउर ओहमाँ लगभग सत्तर दूसर सोझइ बंसज सामिल रहेन। ओकरे पूतन मँ स एक ठु यूसुफ रहा जउन मिस्र क बड़का अधिकारी रहा। एँह बरे याकूब अउर ओकर परिवार मिस्र चला गएन, जहाँ खाई पिअइ क बहोत रहा अउर जिन्नगी सुबिस्ता स भरी रही। इब्रानियन क इ कबीला, एक ठु नान्ह सी जाति क रूप मँ बाढ़ा अउर फिन मिस्र क राजा फिरौन इ मनइयन क गुलाम बनइ लिहन। निर्गमन क किताब हम पचन क बतावत ह कि चार सौ बरिस क गुलामी क पाछे आपन लोगन क मिस्र स छुटकारा दियावइ बरे परमेस्सर नबी मूसा क पठएस। मूसा इस्राएल क मनइयन क वापिस पलिस्तीन लइ आवा। छुटकारा क कीमत भारी रहा मुला इ कीमत मिस्र क मनइयन दिहन। फ़िरौन अउर मिस्र क सबहिं परिवारन क आपन पहिलउटी क बेटहनन क खोवइ क भवा अउर एकरे पाछे ही फ़िरौन इस्राएलियन क मुकत किहस। इ मनइयन क छुटकारा बरे, पहिलउटी बेटहनन क मर जाइ क भवा। इस्राएल क मनइयन, आपन आराधना अउर बलि मँ, इ घटना क कइउ तरह स सुमिरत रहेन।

इस्राएल क लोग आपन जात्रा क बरे तइयार रहेन। ओढ़ना पहिरिके मिस्र स पराइ निकरइ बरे उ सबइ तइयार होइ गएन। हर एक परिवार एक ठु भेड़ी क बच्चा काटिके ओका भूँजेस। हर एक परिवार बरे एक खास चीन्ह क रूप मँ, आपन घरन क दरवाजा क चउखटन प भेड़ी क बच्चन क रकत लगाएन। उ पचे हाली हाली खमीरे क रोटी सेंकेन अउर ओका खाएन। उ राति क यहोवा क दूत धरती प स होइके गुजरा अउर जउने घरे क चउखटे प भेड़ी क बच्चा क रकत नाहीं लाग रहा उ परिवारे क पहिलउटी क बच्चन गुजर गएन। इस्राएल क मनइयन क छुटकारा मिलि गवा मुला जइसे फउज क पठएस, मुला परमेस्सर आपन मनइयन क रच्छा किहेस। परमेस्सर लाल समुद्दर क चीर दिहेस अउर अपने मनइम्न क छुटकारा दियावइ बरे ओनकइ उ पार पहोंचाएस। पाछा करइवाली मिस्र क फउज हुअइँ नस्ट होइ गइ। तबहिं अरब प्राय द्वीप क लगे सिनाइ रेगिस्तान मँ एक पहाड़े प उ मनइयन क संग परमेस्सर एक खास करार किहस।

मूसा क व्यवस्था

परमेस्सर क जरिये इस्राएल क मनइयन क बचावा जाइ अउर सिनाई प ओनकइ संग कीन्ह गवा करार, इ जाति क दूसर जातियन स अलगाइ दिहस। इ करार मँ इस्राएलियन बरे प्रण अउर व्यवस्था रहेन। इ करार क एक खंड क “दस आदेसन” (टेन कमाण्मेण्टस) क नाउँ स जाना जात ह। परमेस्सर क जरिये दीन्ह भए इ सबइ आग्या क पाथर क दुइ पाटिन प लिखिके, मनइयन क दीन्ह गवा। इ सबइ आदेस मँ मूल सिद्धांत मौजूद रहेन, जेनके सहारे परमेस्सर क इच्छा क मुताबिक इस्राएल क लोगन क आपन जिन्नगी बितावइ क रही, अउर आपन परिवार अउर संग रहइवालन बरे आपन कर्तव्य क करइ क रहा। अगवा चलिके इ आदेस अउर सेस धरम नेम अउर सिनाइ पहाड़े प दीन्ह गवा उपदेस “मूसा क व्यवस्था” या सिरिफ “व्यवस्था” क नाउँ स मसहूर भएन। कइउ अवसरन प उ दुइनउँ सब्द सास्तरन क पहिली पाँच किताबन अउर समूचइ पुरान नेम बरे प्रयोग मँ लइ आवा जात हीं।

दस आदेसन अउर जिन्नगी बितावइ क दूसर नेम क अलावा मूसा क व्यवस्था मँ याजकन, बलिदान, आराधना अउर पवित्तर दिनन क बारे मँ नेम मौजूद अहइँ। इ सबइ नेम लैव्यव्यवस्था मँ पावा जात हीं। मूसा क व्यवस्था क मुताबितक सबहिं याजक अउर ओनकइ मदद्गार लेवी कबीला स रहेन अउर “लेवी” कहवावा जात रहेन। सबन ते मुड्ढ अउर महत्ववाला याजक “महायाजक” कहा जात रहा।

इ सबइ व्यवस्था मँ पवित्तर तम्बू या मिलापवाला तम्बू बनावइ अउर इस्राएली मनइयन क जरिये परमेस्सर क आराधना क ठउर क बारे मँ नेम सामिल अहइँ। एहमाँ परमेस्सर क आराधना मँ काम आवइवाली चिजियन क बारे मँ भी बतावा गवा अहइ। इ व्यवस्था मँ, इस्राएलियन क यरूसलेम मँ सिय्योन पहाड़े प परमेस्सर क घर बनावइ बरे तइयार कीन्ह गवा, जहाँ

उ पचे पाछे परमेस्सर क आराधना करइ जात रहेन। बलिदानन अउर आराधना स सम्बंध रखइवाला नेम मँ इस्राएलियन क इ जानइ बरे जोर कइ दीन्ह गवा कि उ पचे एक दूसर प परमेस्सर बरे पाप करत बाटेन। एकरे संग ही इ सबइ नेम, इ मनइयन क छमा कीन्ह जाइ अउर आपुस मँ एक दूसर अउर परमेस्सर स एक दाईं फिन जुर जाइ क रास्ता भी देखॉएन। इ सबइ बलि उ बलि क ठीक तरह समझइ क भी सिखाएन, जेहसे परमेस्सर, समूचइ मनई जाति बरे देइ खातिर तइयारी करत रहा।

इ व्यवस्था मँ पवित्तर दिनन अउर त्यौहार क मनावइ क बारे मँ भी नेम मँ दीन्ह ग अहइँ। हर एक त्यौहार क आपन एक खास महत्व रहा। कछू समइ प, बरिस मँ खुसी अउर आनन्द क दिन मनावा जात रहेन जइसे पहिले फल क त्यौहार, "सबित" अरथ अहइ यहूदी त्यौहार या हफ्ता क भोज (पिन्तेकुस्त या हफ्तन क त्यौहार) अउर कुटिर क त्यौहार (सुकोथ)।

कछू त्यौहार अइसे रहेन, जउन परमेस्सर आपन मनइयन बरे जउन अजूबा बात भइन ह, ओनकइ सुमिरइ बरे, मनावा जात रहेन। "फसह क त्यौहार" अइसा ही एक त्यौहार रहा। हर परिवार मिस्र स बचिके निकरइ क घटना क एक दाईं फिन स सुमिरत रहा। लोग परमेस्सर क गुन गावत रहेन। एक ठु मेमना काटिके खइया क तइयार कीन्ह जात रहा। दाखरस क हर कटोरा अउर खइया क हर कउर, मनइयन क इ बात क सुमिरन करावत रहा, कि कउने तरह परमेस्सर पीरा अउर दुःखे क जिन्नगी स ओनका छोड़ाऐ रहा।

एकर अलावा, दूसर त्यौहार बड़ा जोस स मनावा जात रहेन। हर साल "प्रायस्चित क दिन" मनइयन क आपन बुरा करम क याद करत रहेन जउन उ पचे दूसर लोग अउर परमेस्सर बरे किहे रहेन। इ दिन प्रायस्चित क दिन होत रहा, अउर इ दिना लोग भोजन नाहीं कहत रहेन, अउर महायाजक ओनकइ सबहिं पापन क छमा करइ बरे खास बलिदानन क चढ़ावत रहा।

पुरान नेम क लेखकन बरे परमेस्सर अउर इस्राएल बीच भए करार क बहोत जियादा महत्व रहा। अक्सर सबहिं नबियन क किताबन अउर पवित्तर लेख इ बात प टिका अहइँ कि इस्राएल क रास्ट्र अउर इस्राएल क हर नागरिक आपन परमेस्सर क संग एक बहोतइ खास करार किहे रहा। एँहसे उ सबइ "यहोवा क करार" या सिरिफ "करार" ही कहत रहेन। इतिहास क किताबन उ करार क रोसनी मँ ही, सब घटना क बियाख्या करत हीं। मनई या परजा (रास्ट्र) अगर परमेस्सर अउर उ करार बरे पतियाइ क जोग्ग होइँ तउ परमेस्सर ओनका मनोकामना पूरी करत रहा, अउर अगर लोग, उ करार स भटिके जात रहेन तउ परमेस्सर ओनका सज़ा देत रहा। परमेस्सर मनइयन क, अपने संग भए करार क सुमिरन क करार बरे नबी क पठवत रहा।

इस्राएल क कवि लोग, परमेस्सर क जरिये आपन आग्या क मानइवालन बरे कीन्ह भएन अजूबा कारज क गीत गाएन अउर इहइ तहर ओनके बरे, जउन परमेस्सर क नकार दिहेन, ओनकइ दुःख अउर ओनका दीन्ह गइ सज़ा क गीत गाएन। करार क उपदेस क सहरे इ सबइ लेखक लोग आपन ठीक अउर बेठीक विचार बनाएन। जब भोला-भाला निर्दोख मनई घोर कस्ट भोगत रहेन, तब कवि लोग समुझइ क जतन करतेन कि अइसा काहे होत अहइ।

इस्राएल क राज्य

पुरान इस्राएल क कहानी, मनइयन क परमेस्सर बिसरि जाब, परमेस्सर क जरिये मनइयन क बचाइके निकारब अउर ओनका परमेस्सर कइँती निकरब अउर ओन पचन क फिन परमेस्सर क बिसरि जाइ क कथा बाटइ। मनइयन क जरिये करार क अंगीकार करइ क फउरन पाछे स इ कथा-चक्र सुरू होइ गवा रहा, अउर फिन उहइ कथा चक्र बार-बार घूमत रहा। सीनै पहाड़े प, इस्राएल क मनइयन परमेस्सर क पाछा करब अंगीकार किहे रहेन, फिन उ पचे परमेस्सर क खिलाफ बगावत कइ दिहेन, एकरे कारण ओनका चालीस बरिस भटकइ क पड़ा। आखिर मँ मूसा क सहायक यहोसू ओनका उ देस मँ लइ गवा जेका ओनका देइ क बचन दिहे रहा। इ एक जीत क सुरुआत भइ अउर इस्राएल क हींसा क तरह बसावा गवा। इ आबादी क पाछे, सुरू क कछू सताब्दी तलक मनइयन प, उ पहँटा क नेता लोगन क राज्य रहा जेनका, "निआवकर्त्ता" कहा जात रहा।

आखिर मँ एक अइसा समइ आवा जब मनइयन कउनो एक राजा क इच्छा करइ लागेन अउर पहिला राजा साऊल बना। साऊल परमेस्सर क आग्या क नाहीं मानेस। एँह बरे परमेस्सर दाऊद नाउँ क एक ठु गड़रिया क बेटवा क नवा राजा बनावइ बरे चुन लिहन। समूएल नबी आइके ओकर मूँड़े प इस्राएल क राजा क रूप मँ ओकर अभिसेक किहेस। परमेस्सर दाऊद क बचन दिहस कि यहूदा कबीला क ओकर संतान, इस्राएल क होइवाला राजा होइहीं। दाऊद यरूसलेम सहर क जीत लिहस अउर ओका आपन राजधानी अउर मन्दिर बनावइ क होइवाला ठउर बनाएस। उ मन्दिर मँ सेवा, आराधना बरे

याजकन, नबियन, गीत क लिखवइयन, संगीतकार अउर गवइयन क मेल कराएस। दाऊद खुद भी बहोत स गीत (या भजन) लखेस मुला परमेस्सर ओका मन्दिर बनावइ नाहीं दिहेस।

जब दाऊद बुढ़ाइ गवा अउर मरइ खातिर बिछौना प रहा, तबहिं उ आपन बेटवा सुलैमान क इस्राएल क राजा बनाइ दिहस। दाऊद आपन बेटवा क होसियार कइ दिहे रहा कि उ परमेस्सर क हमेसा पाछे-पाछे रहइ अउर करार क मानत रहइ। राजा बनइ क पाछे सुलैमान मन्दिर बनवाएस अउर इस्राएल क चउहद्दी क फइलाएस। उ समइ इस्राएल खूबइ महिमा होइ गवा। सुलैमान मसहूर होइ गवा अउर इस्राएल खूब मज़बूत होइ गवा।

यहूदा अउर इस्राएल बँटा भवा राज्य

सुलैमान क मउत पइ हुआँ क नागरिकन मँ झगड़ा होइ गवा अउर देस बँटि गवा। उत्तर क दस कबीला खुद क इस्राएल कहइ लागेन अउर दक्खिन कइँती क कबीला लोग अपने क 'यहूदा' नाउँ दिहन (आज क "यहूदी" सब्द, इहइ नाउँ क स निकरा अहइ।) यहूदा करार बरे सच्चा बना रहा अउर दाऊद क बंस (राजा लोगन क परिवार) उ समइ तलक यरूसलेम प राज्य करत रहा। आखिर मँ यहूदा हार गवा अउर बेबिलोन क लोग, यहूदा क लोगन क देस स निकारिके लइ गएन।

काहेकि लोग करार क पालन नाहीं करत रहेन, एँह बरे (उत्तरी राज्ज इस्राएल मँ बहोत स राज्यबंस आएन अउर चला गएन।) अलग-अलग समइ मँ इस्राएल क राजा लोग अलग-अलग सहरन मँ आपन राजधानी बनाएन, एनहीं मँ स आखिरी राजधानी रही, सोमरोन। इस्राएल क राजा लोग प्रजा क आपन बस मँ करइ बरे परमेस्सर क आराधना क तरीका बदल दिहे रहेन, उ सबइ नवा याजकन क चुनेन अउर दुइ ठु नवा मन्दिरन क बनाएन। एक ठु इस्राएल क उत्तरी चउहद्दी प दान मँ अउर दूसर बेतेल मँ (इस्राएल क यहूदा स लगी भइ चउहद्दी प)। इस्राएल अउर यहूदा क बीच ढेर गृह-जुद्ध भएन।

नागरिक जुद्ध अउर असान्ति क बीच परमेस्सर यहूदा अउर इस्राएल मँ ढेर नबी पठए रहा। ओनमाँ स कछू नबी याजक, कछू किसान, कछू राजा लोगन क सलाहकार तउ कछू बहोत जियादा सादी जिन्नगी बितावइ वाले लोग रहेन, कछू नबियन आपन उपदेस अउर भविस्सवाणी क लिखेन अउर बहोत नाहीं लिखेन। मुला सबहिं नबी निआव, सत्य अउर मदद बरे परमेस्सर प आसरा धरइ क उपदेस देत रहेन।

बहोत स नबियन चिताउनी दिहेन कि जदि लोग परमेस्सर कइँती वापिस नाहीं मुड़िहीं तउ हारिके छितराइ-बितराइ जइहीं। एँन नबियन मँ स कछू तउ होइवाली महिमा दसा अउर होइवाली सजा क दर्सन भी किहे रहेन। एनमाँ स बहोतन उ समइ क पहिले ही दर्सन कइ लिहे रहेन, जब उ राज्य प राज्य करइ बरे एक नवा राजा क आवा होइ। कछू लखेन कि उ राजा जउन दाऊद क बंसज होई अउर परमेस्सर क मनइयन क सुनहरा जुग मँ लइ जाइ। जहाँ कछू मनइयन इ राजा क बारे मँ कहेन कि उ एक बिना अंत होइवाला राज्य प जुग जुगान्तर तलक राज्य करी अउर दूसरन स ओका एक अइसे सेवक क रूप मँ लखी जउन आपन लोगन क परमेस्सर कइँती लउटइ बरे अनेक किस्म क घोर कस्ट झेली। मुला सब लोग ओका मसीह क रूप मँ लखेन, नवा जुग क लावइवाला परमेस्सर क एक "अभिसिक्त"।

इस्राएल अउर यहूदा क बिनास

इस्राएल क मनइयन परमेस्सर क चिताउनियन प धियान नाहीं दिहन। एँह बरे 722-721 ईसा पूर्व मँ सोमरोन हमलावर अस्सूर क अगवा घुटना टेक दिहस। इस्राएल क मनइयन क, ओनकइ घरन स लइके समूचइ अस्सूर राज्य मँ एँह कइँती ओंह कइँती कइ दीन्ह गवा। यहूदा मँ लोग आपन भाई बहिन स हमेसा बरे बिछुड़ गएन। फिन अस्सूरियन दूसर देसन क मनइयन क लइ आइके, इस्राएल क धरती क फिन बसाइ दिहन। इ मनइयन क यहूदा अउर इस्राएल क धरम क उपदेस दीन्ह गइ। ओनमाँ स अनेक मनइयन करार क मानइ क कोसिस किहन। इ सबइ लोग सामरी क नाउँ स जाना गएन। अस्सूर क लोग यहूदा प हमला करइ क जतन किहन। हमलावरन क समन्वा बहोत स राज्य घुटना टेकि दिहेन, मुला यरूसलेम क परमेस्सर रच्छा किहेस। अस्सूर क हारा भवा राजा आपन क देस क लउटि आवा अउर हुआँ आपन ही दुइ पूतन क हाथे स मारा गवा। इ तरह यहूदा क रच्छा भइ। कछू समइ क पाछे, यहूदा क लोग बदल गएन अउर उ पचे तनिक देर बरे, उ सबइ परमेस्सर क आग्या मानइ लागेन मुला आखिर मँ उ पचे भी हार गएन एहर-ओहर होइ गएन। बेबिलोन सक्तिसाली होइ गवा अउर उ यहूदा प धावा बोल दिहस। पहिले तउ बन्दी क रूप मँ उ पचे हुआँ स कछू महत्व क मनइयन क ही लिहस मुला कछू बरिस पाछे 587-586 ईसा पूर्व मँ यरूसलेम अउर मन्दिर क नास करइ बरे एक दाईं फिन उ पचे लउटेन। कछू लोगन बचिके मिस्र पराइ गएन अउर जियादा हींसा क दास बनाइके बेबिलोन लइ जावा गवा। परमेस्सर मनइयन क लगे फिन नबियन क पठएस अउर मनइयन ओनकइ बातन प धियान देब सुरू किहेस। माना, मन्दिर अउर यरूसलेम क बिनास अउर बेबिलोन मँ देस-निकारा, मनइयन मँ एक ठु असलियत मँ बदलाव कइ दिहस। नबियन

नवा राजा अउर ओकरे राज्य क बारे मँ बहोत कछू कहइ लागेन। जेनमाँ स एक नबी यिर्मयाह तउ एक नवा करार क बात किहेस। इ नवा करार, पाथर क पटियन प नाहीं लिखी होइहीं मुला इ परमेस्सर क लोगन क हिरदइ मँ लिखी होइ।

पलिस्तीन मँ यहूदियन क वापसी

इहइ बीच, कुस्रू, मद्धिम फारसियन क राजा बन गवा अउर उ बेबिलोन क जीत लिहस। कुस्रू मनइयन क आपन देस मँ लउटइ क हुकुम दिहस। इ तरह सत्तर बरिसके देस-निकारा क पाछे यहूदा क बहोत स मनई आपन घरे वापिस लउटि आएन। मनइयन आपन रास्ट्र क फिन स बनवइ ज जतन किहन मुला फिन भी यहूदा छोटा अउर कमज़ोर ही बना रहा। मनइयन फिन स मन्दिर क बनाएन मुला इ मन्दिर ओतॅना सुन्नर नाहीं बन पावा जेतॅना सुलैमान क बनावा मन्दिर रहा। बहोत स मनई सच्चाई क संग परमेस्सर कइँती घूमि गएन अउर नेम, नबियन क लेख अउर दूसर पवित्तर पोथी क पढ़इ लागेन। एनमाँ स बहोत स मनई लिखवइया (खास तरह क विद्वान) बनेन, जउन सास्तरन क नकल तइयार करत रहेन। धीमे सास्तरन क पढ़इ बरे पाठसालन क खोला गवा। मनइयन सबित क दिन (सनीचर) क पढ़ब, पराथना अउर एक संग मिलिके परमेस्सर क आराधना बरे बटुर जाब सुरू किहेन। आपन आराधनालय मँ लोग पवित्तर सास्तरन क पढ़इ लागेन अउर बहोत स मनई आवइवाला मसीह क जोहइ मँ जुट गएन।

पच्छिम मँ, सिकन्दर महान यूनान प आपन राज्य कायम कइ लिहस अउर हाली ही संसार क जियादा हींसा प जीत पाइ लिहस। उ संसार क बहोत स खण्ड मँ यूनानी भाखा, रीति-रिवाज अउर हुवाँ क संस्कृति प्रचार किहस। मुला जब ओकर मउत भइ तउ ओकर राज्य अलगाइ गवा अउर जल्दी ही एक अइसा राज्य पइदा भवा जउन उ समइ तलक क जाना भवा संसार क एक बड़के हींसा प कब्जा कइ लिहस। एहमाँ पलिस्तीन भी सामिल रहा, जहाँ यहूदा क लोग रहा करत रहेन।

रोम क इ सबइ नवा राजा, बहोतइ क्रूर अउर अत्याचारी होत रहेन, होत रहेन, अउर यहूदियन घमण्डी अउर स्वभाव स ही बिद्रोही रहेन। असान्ति क इ दिनन मँ बहोत स अइसे यहूदी रहेन जउन आपन जिन्नगी मँ ही मसीह क परगट होइ क जोहइ लागेन। यहूदियन बस इहइ चाहत रहेन कि सिरिफ परमेस्सर क अउर उ मसीह क राज्य होइ जेका पठवइ क ओनका परमेस्सर बचन दिहे बाटइ। उ सबइ इ नाहीं समुझत रहेन कि परमेस्सर क इ जोजना जउन उ मसीह क जरिये संसार क मनइयन क उद्धार करी, उ पचे तउ इहइ बिचारत रहेन कि परमेस्सर क जोजना सिरिफ यहूदियन क ही बचावइ क अहइ। कछू यहूदी परमेस्सर क जरिये पठवा जाइवाला मसीह क जोहइ मँ सन्तुट्ठ रहेन, मुला दूसर लोग नवा राज्य क नींव धरइ मँ परमेस्सर क "मदद" पावइ क ठान लिहेन, इ सबइ यहूदियन ही धरम बरे उछाही "जिलौत" कहवावा गएन। इ सबइ धरम क उछाही रोमी लोगन क खिलाफ जुद्ध करइ क जतन किहेन। अउर ओन यहूदियन क कतल भी किहेन जेनकइ रोमियन क संग सहयोग होत रहा।

यहूदी धरम क गुट

पहली सताब्दी ईसा पूर्व तलक मूसा क व्यवस्था यहूदियन बरे कछू जियादा महत्व स भरी रही। मनइयन इ व्यवस्था क पढ़ेन अउर ओह प चर्चा परिचर्चा किहेन। लोग इ व्यवस्था क अनेक तरीकन क समुझेन मुला कछू यहूदियन इ व्यवस्था बरे मरइ क तइयार रहेन। यहूदियन मँ तीन प्रमुख धरम क गुट होत रहेन, अउर हर एक गुट क आपन उपदेस देइवाला (विधि क गियान या सास्तरी) रहेन।

सदूकियन

एनमाँ स एक गुट क नाउँ रहा सदूकियन। होइ सकत ह इ नाउँ सादोक स आवा होइ। सादोक, राजा दाऊद क समइ क महायाजक होत रहा। बहोत स याजक अउर अधिकारी लोग, सदूकियन रहेन। इ सबइ लोग सिरिफ व्यवस्था क (मूसा क पाँच ठु किताबन क) धरम क बारे मँ सबूत क रूप मँ माना करत रहेन। याजकन अउर सबइ बलिदानन क बारे मँ तउ (मूसा क व्यवस्था) व्यवस्था बहोत स बातन क सिखावत मुला मउत क पाछे क जिन्नगी क बारे मँ कछू नाहीं बतावत रहीं, एँह बरे सदूकियन मउत क पाछे, मनइयन क फिन स जिअइ मँ पतियात नाहीं रहेन।

फरीसियन

यहूदियन क दूसर धरम क गुट फरीसियन कहवावत रहा। इ नाउँ इब्रानी भाखा क एक अइसे सब्द स पदा भवा ह जेकर अरथ अहइ "व्याख्या करब" या "अलगाउब"। इ मनइयन सब साधारण जनता क मूसा क व्यवस्था सिखावइ या ओकर व्यख्या करइ क जतन करत रहेन। फरीसियन क बिस्सास रहा कि एक बोली भइ परिपाटी जउन मूसा क समइ तलक चली आइ रही। ओनकइ कहब रहा कि हर पीढ़ी क मनइयन मूसा क व्यवस्था क इ तरह व्याख्या कइ सकत हीं जउन उ पीढ़ी क मनइयन क जरूरत क पूरी करत होइँ। एकर अरथ इ भवा कि फरीसी न सिरिफ मूसा क व्यवस्था क ही मुला

भूमिका

नबियन, नबियन पवित्तर पोथिन अउर हिआँ तलक कि आपन परिपाटी क भी माना गवा रूप मँ मानत रहेन। इ सबइ लोग व्यवस्था क विधि अउर आपन परिपाटियन क बड़े कर्रे तरीके स पालन करइ क जतन करत रहेन। एँह बरे, उ सबइ का खात हीं अउर का छुअत हीं एँकरे बरे बड़ा हुसियार रहत रहेन। उ सबइ हाथ धोवइ अउर नहाइ क बहोत धियान राखत रहेन। इ सबइ लोग मउत क पाछे पुनरुत्थान मँ बिस्सास राखत रहेन काहेकि उ पचे समुझत रहेन कि अनेक नबियन इ कहेन ह कि पुनरुत्थान होइ।

इसीन

तीसरा प्रमुख गुट रहा इसीन। यरूसलेम मँ बहोत स याजक उहइ रूप मँ जिन्नगी नाहीं बितावत रहेन जउने रूप मँ परमेस्सर चाहत रहा। एकरे अलावा रोमियन बहोत स याजक तैनात कइ दिहे रहेन अउर एनमाँ स बहोत स मूसा क व्यवस्था क जइसन याजक बनइ क जोग्ग नाहीं रहेन। एँह बरे इसीन गुट क लोग इ नाहीं मानत रहेन कि यरूसलेम मँ आराधना अउर सबइ बलि ठीक तरह ह कीन्ह जात अहइँ। इ कारण इसीन गुट क लोग, यहूदिया क रेगिस्तान मँ रहइ बरे चला गएन। उ पचे अलग स आपन एक समाज बनाइ लिहन जहाँ सिरिफ इसीन लोग ही आइ सकत रहेन, अउर रहि सकत रहेन। इसीन लोग उपवास रखत रहेन, पराथना करत रहेन अउर एँकर इंतजार करत रहेन कि परमेस्सर मसीह क पठइ अउर मन्दिर या याजक क पवित्तर करी।

नवा नेम

परमेस्सर आपन जोजना सुरू कइ दिहस। उ एक खास रास्ट्र क चुनेस। हुआँ क मनइयन क संग, उ एक ठु करार किहस जेहसे उ पचे परमेस्सर क संग निआउ अउर ओकर भलाई क समुझइ क तइयार होइ जाइँ। एक नवा अउर जियादा बढ़िया प टिका भवा एक सम्पूर्ण "अध्यात्मिक राज्य" क नींव क जरिये संसार क सुभ आसीर्बाद देइ क जोजना क नबियन अउर कवि लोगन क जरिये उ परगट किहेस। इ जोजना, मसीह क आवई क प्रण क संग सुरू होइ। नबियन ओकरे आवइ क बारे मँ बढ़ाइ-चढ़ाइ क बताएन। उ पचे बताएन कि मसीह क जन्म कहाँ होइ, उ कउनो तरह क मनई होइ अउर ओका कउने तरह क काम करइ क होइ। अब उ समइ आइ चुका रहा जब मसीह क आवइ क रहा अउर नवा करार क सुरू करइ क रहा।

नवा धर्म-नेम क लेख बतावत हीं कि परमेस्सर क नवा नेम कउनो परगट भवा अउर ईसू ओका कउने तरह कारज मँ पूरा कइ दिहस, ईसू जउन मसीह रहा। (अरथ अहइ "एक ठु अभसिक्त मसीह।)" इ सबइ लेख बतावत हीं कि इ नवा करार, सबहिं मनइयन बरे रहा। इ भी बतावा ग अहइ कि परमेस्सर इ दाया स भरा-भाव पिरेम उपहार क पहिली सताब्दी क मनइयन कइसे आपनाइ लिहेन। अउर उ सबइ कउने तरह नवा करार क अंग बनि गएन। इ सबइ लेख इ सिखावत हीं कि परमेस्सर क भगतन क इ संसार मँ जिन्नगी कइसे बितावइ चाही। इ सबइ ओन बरदाने क अरथावत हीं जेनका परमेस्सर आपन भगतन क एक समपूर्ण अउर सुफल जिन्नगी क हिआँ बितावइ बरे बचन दिहे रहेन; अउर मइत क पाछे ओकरे (परमेस्सर क) संग।

नवा नेम मँ कमती स कमती आठ ठु अलग-अलग लेखक लोगन क सत्ताईस अलग किताबन क सामिल कीन्ह ग अहइ। इ सबहिं लेखक लोग यूनानी भाखा मँ लिखेन ह। इ भाखा पहली सताब्दी क दुनियाँ मँ व्यापक रूप स बोली जात रही। एनमाँ स आधा स भी जियादा लेख चार ठु प्रेरितन क जरिये लिखा ग अहइँ। इ सबइ प्रेरितन आपन खास प्रतिनिधि लोग या सहायकन क रूप मँ ईसू क जरिये चुना ग रहेन। एनमाँ स तीन, मत्ती, यूहन्ना अउर पतरस इ भुइँया प ईसू क जिन्नगी क अवधि मँ ओकरे बारह सबन त जियादा निचके क अनुयायी मँ स रहेन। एक दूसर लेखक रहा, पौलुस जेका ईसू अनोखी रीति स दर्सन दइके, अगवा एक प्रेरित क रूप मँ चुने रहा।

पहिली चार किताबियन "सुसमाचार" कही जात हीं। एनमाँ ईसू मसीह क जिन्नगी अउर मउत क अलग अलग विवरण दीन्ह ग अहइँ। इ सबइ किताबन ईसू क उपदेसन, इ धरती प ओकरे परगट होइ क प्रयोजन अउर ओकर मउत क महत्व क खूबइ बतावत हीं न कि सिरिफ ओकरे जिन्नगी क इतिहास स जुड़ी भइ सच्चाई प। यूहन्ना क "सुसमाचार" ओन चारिहुँ किताबन मँ एक खास सच्चाई रखत ह। पहिला तीन सुसमाचार विसय क वजन प एक तरह अहइँ। असलियत मँ एक ठु किताब क जियादा हींसा क विसय समान दुइनउँ दूसर किताबन मँ एक ही तरह मिलि जात ह। जउन भी होइ हर एक लेखक अलग तरह क सुनवइयन बरे लिखे अहइ अउर मालूम होत ह कि हर लेखक क निगाह मँ कछू अलग लक्ष्य भी रहा ह।

इ चार किताबन क पाछे जेनका, "सुसमाचार" कहा जात ह, "प्रेरितन क काम" नाउँ क किताब आवत ह। एहमाँ ईसू क मउत क पाछे क सबइ घटना क इतिहास बाटइ। एहमाँ बतावा गवा अहइ कि ईसू क चेलन क जरिये परमेस्सर क पिरेम

क उपहार जउन सबहिं मनइयन बरे रहा, समूचइ संसार मँ कउनो तरह एलान कीन्ह गवा। इ बतावत ह कि इ "सुसमाचार" क प्रचार स समूचइ पलिस्तियन अउर रोम क साम्राज्य मँ मसीही बिस्सास क व्यापक रूप स कइसे अपनाइ लीन्ह गवा। "प्रेरितन क काम" नाउँ क किताब क लूका लिखे अहइ। उ जउन कछू लिखे अहइ, ओखरे जियादा हींसा क, उ प्रत्येच्छ रूप स लखवइया रहा। लूका तीसरे "सुसमाचार" क लेखक भी रहा। ओकरी दुइनउँ किताबन मँ एक तर्क स भरी भई संगति बाटइ काहेकि "प्रेरितन क काम"

ईसू क जिन्नगी क काम काज क सहल फल अहइ। "प्रेरितन क काम" क पाछे चिट्ठी पाती क भण्डार अहइ जउन अलग-अलग मनइयन या मसीही दलन क नाउँ लिखा ग अहइँ। इ सबइ चिट्ठी-पाती पौलुस या पतरस जइसे मसीही राहे क देखवइयन क जरिये पठवा ग अहइँ। इ दुइनउँ ही ईसू क प्रेरित रहेन। उ समइ क मनई जउन समस्या क झेलत रहेन, ओनसे निपटइ मँ मनइयन क मदद बरे इ सबइ पत्र लिखा ग रहेन। इ सबइ चिट्ठी पाती न सिरिफ ओन मनइयन क सूचित करइ, सुधारइ, उपदेस देइ अउर बढ़ावा देइ बरे लिखा ग रहेन बल्कि इ सबहिं मसीहियन क ओनकइ बिस्सास, आपुस क जिन्नगी अउर संसार मँ ओनके सम्बंध मँ ओनका सहायता भी देइ बरे लिखा ग रहेन।

नवा नेम क आखिरी किताब "प्रकासित वाक्य" दूसर सबहिं किताबन स अलग किसिम क किताब अहइ। एहमाँ बहोतइ अलंकार स मँजी भइ भाखा क बइपरा ग अहइ अउर एकर लेखक प्रेरित यूहन्ना जउन दर्सन लखे रहा ओकरे बारे मँ उ बताए बाटइ। एकरे बहोत स अलंकार अउर बिम्ब "पुरान नेम" स लीन्ह ग अहइँ अउर "पुरान नेम" क किताबन क संग तुलना करइ क पाछे ही ओनका अच्छी तरह समझा जाइ सकत ह। इ आखिरी किताब आपन राह क देखवइया अउर सहायक ईसू मसीह अउर परमेस्सर क सक्ती क जरिये बुराई क सक्ती क जरिये बुराई क सक्तिपन प आखरी जीत पावइ बरे बिस्सासी मनइयन क ढाढ़स बाँधावत हीं।

"बाइबिल" अउर आजु क पाठक

आजु क, इ पोथी क पढ़वइया क इ बाते क धियान रखइ चाही कि इ सबइ किताबन हजारन साल स भी पहिले क ओन मनइयन बरे लिखी गई रहिन जउन हमार आजु क सभ्यता स एकदम्मइ अलग सभ्यता मँ रहत रहेन। थोड़ि रूप स इ किताबन मँ ओन जिन्नगी क मूल्य क उजागर कीन्ह ग अहइ जउन सनातन रूप स सच अहइँ, मुला बहोत स प्रयोग कीन्ह गवा इतिहासे क विवरण, उदाहरण अउर हवाला उ जुग क संस्कृति अउर उ समइ क कछू गियान क सहारे प ही समुझा जाइ सकत हीं जउन जुग क उ पचे मनई रहेन। उदाहरण बरे ईसू एक मनई क कहानी सुनावत ह जउन एक अइसे खेते मँ अनाज बोवत ह जेकरे माटी क दस अलग-अलग तरह क बाटइ। असलियत मँ, माटी क उ सबइ दसा क स रहिन, आजु क मनई बरे अनजानी होइ सकत हीं मुला इ उदाहरण स ईसू जउन सीख देत ह, उ हर एक देस या जुग क मनई प पूरी उतरत ह।

होइ सकत ह, आजु क पाठक क इ पोथी मँ लिखा भवा कछू अजुबा लाग। उ समइ क रीति रिवाज, झुकाव, लोगन क बातचीत क तरीका, बेपहिचाना स लाग मुला तर्क प सही इहइ अहइ कि इ सबइ बातन क आजु क मानदण्ड क बनिस्बत उ देस क मानदण्ड क सहारे ही कीन्ह जाइ। इ बात क राखब भी जियादा महत्व स पूरा अहइ कि बाइबिल एक ठु विग्यान क किताब क रूप मँ नाहीं लिखी गइ, उ तउ इतिहास क सबइ घटना क बियाख्या अउर मनई जाति बरे ओन सबइ घटना क महत्व क हाजिर करइ क बरे खास रूप स लिखी गइ। एकर सीख सब ठउरे प बियापी सच्चाई प टिकी बाटइ जउन विग्यान क हद स परे अहइ। आजु क इ जुग मँ भी इ पोथी पूरी तरह सुसंगत अहइ काहेकि एकर सम्बंध मनई क ओन बुनियादी आतिमा क जरूरतन स बाटइ जउन कबहुँ बदलतिन नाहीं।

बाइबिल क कउनो भी पाठक क एकरे पठन स अनेक लाभ मिल सकत हीं। ओका सबन त पुराना संसार अउर इतिहास क गियान होइ सकत ह, ईसू मसीह क जिन्नगी अउर सीखे क जानकारी मिलि सकत ह अउर ओका इ बात क पता लगि सकत ह कि ओकर अनुयायी होइ क अरथ का अहइ ओका बुनियादी आतिमा क भीतरी गियान मिलि सकत ह अउर उ सक्तिवाला आनन्द स भरी जिन्नगी जिअइ क बेउहारे क गियान क पाइ सकत ह। जिन्नगी क बहोत गूढ़ सवाल क जवाब उ आसानी स ही पाइ सकत ह। एँह बरे कहा जाइ सकत ह कि किताब क पढ़इ क बहोत स उत्तिम वजह अहइँ अउर जउन पढ़वइया क पोथी क खुला दिमाग अउर जानइ क इच्छा स पढ़ी उ इ रहस्य क जानि जाइ कि परमेस्सर ओका इ जीवन काहे दिहे अहइ।